राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंक विभाजन MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL

Vid Diploma in performing art- (V.D.P.A.)

2022 -23(Private)

Previous

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	
			MIN
1	Theory - I History and Development of Indian dance	100	33
2	Theory - IIEssay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	33
2	PRACTICAL - Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	300	99

स्कूल स्तर के पाठ्यक्रम स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेत्

विद डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट- प्रथम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र – प्रथम प्रश्न पत्र

समय:- 3 घण्टे

पूर्णाक-100

- कथक नृत्य का क्रमिक विकास एवं उसके विभिन्न घरानों का संक्षिप्त अध्ययन। 1.
- रस एवं भाव के प्रकारों का संक्षिप्त ज्ञान। 2.
- नृत्य से संबंधित किन्हीं दो धार्मिक कथाओं का ज्ञान। 3.
- रास नृत्य का परिचयात्मक ज्ञान एवं कथक नृत्य से उसके सम्बन्ध की जानकारी। 4.
- क्षेत्रीय लोक नृत्यों का संक्षिप्त अध्ययन। 5.
- निम्नलिखित दो प्रकार की शास्त्रीय नृत्य शैलियों का परिचयात्मक ज्ञान। 6. भरतनाट्यम, कथक, मणिपुरी, एवं कथकली।
- अभिनय दर्पण के अनुसार संयुक्त हस्त मुद्राओं का लक्षण विनियोग सहित अध्ययन। 7.

शास्त्र –द्वितीय प्रश्न पत्र

समय:- 3 घण्टे

पूर्णाक:-100

- ताल के दस प्राण का अध्ययन। 1.
- कथक नृत्य में मंगलाचरण, गुरूवंदना एवं भूमिवंदना का महत्व। 2.
- उत्तर भारतीय ताल पद्धति का ज्ञान एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों कें ठेके एवं तोड़े, परन, आदि का लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
- नाट्यशास्त्र के अनुसार 'भृकुटी भेद' का श्लोक सहित अध्ययन। 4.
- कथक नृत्य को प्रभावशाली बनाने के लिए निम्नलिखित विषयों का ज्ञानः 5.
 - (अ) वेश भूषा एवं रूप सज्जा। (स) प्रकाश व्यवस्था।
- - (ब) रंगमंच व्यवस्था।
- (द) वृन्द वादन (पार्श्व संगीत)
- पं. बिरजू महाराज, विदुषी सितारा देवी एवं विदुषी रोशन कुमारी की जीवनी एवं कथक नृत्य में उनका योगदान।

विद् डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट— प्रथम वर्ष कथक नृत्य

प्रायोगिक

पूर्णांकः—100

- 1. विष्णु वंदना या शिव वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन।
- 2. कसक, मसक एवं कटाक्ष के साथ ठाठ प्रदर्शन का अभ्यास।
- 3. त्रिताल में एक आमद, तीन तोड़े, दो परन, दो चक्करदार परन, दो कवित्त एवं तत्कार का नृत्य प्रदर्शन।
- 4. पूर्व में सीखे गये गतनिकासों के अतिरिक्त बिंदिया गतनिकास का प्रदर्शन।
- 5. माखन चोरी गत-भाव का प्रदर्शन।
- 6. चौताल (12—मात्रा) एवं एकताल (12—मात्रा) का ज्ञान तथा इनमें से किसी एक ताल में निम्नानुसार नृत्यकरने का अभ्यास :— ठाठ, आमद, दो तोड़े, दो परन, एक चक्करदार तोड़ा, एक चक्करदार परन, एवं एककवित्त।
- 7. किसी एक भजन पर भाव प्रदर्शन।

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश—: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिकपरीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंक विभाजन MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL

Vid Diploma in performing art- (V.D.P.A.)

2022 -23(Private)

Final

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	
			MIN
1	Theory - I History and Development of Indian dance	100	33
2	Theory - II Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	33
3	PRACTICAL - Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	300	99

स्कूल स्तर के पाठ्यक्रम स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु विद डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट-अतिम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र – प्रथम प्रश्न पत्र

समय:- 3 घन्टे

पूर्णां कः—100

- निम्नलिखित शास्त्रीय नृत्यों का परिचयात्मक ज्ञानः—
 ओड़िसी, कुचिपुड़ी, एवं मोहिनीअट्टम।
- 2. कथक नृत्य प्रशिक्षण में गुरू-शिष्य परम्परा एवं उनकी शिक्षण पद्धति का अध्ययन।
- 3. अष्टनायिकाओं का अध्ययन।
- 4. चार प्रकार के नायकों का ज्ञान।
- मार्गी एवं देशी नृत्यों की जानकारी।
- भारत के लोक नृत्यों की संक्षिप्त जानकारी।
- 7. निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों का ज्ञान :--

आड़, कुआड़, जाति, चारी, स्थानक भेद, पाद भेद।

विद डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट-अंतिम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र – द्वितीय प्रश्नपत्र

समय:- 3 घन्टे पूर्णाक -100

- कथक नृत्य के विभिन्न घरानों लखनऊ, जयपुर एवं बनारस का परिचय एवं उनकी शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन।
- 2. नृत्त, नाट्य एवं नृत्य का ज्ञान।
- 3. अभिनय दर्पण में वर्णित विभिन्न विषय वस्तुओं का संक्षिप्त अध्ययन।
- 4. कथक नृत्य प्रदर्शन के वस्तुक्रम का सविस्तार विवरण ।
- निम्नलिखित विषय वस्तुओं का अध्ययन।
- (अ) कथक नृत्य की वेशभूषा का प्राचीन एवं आधुनिक स्वरूप।
- (ब) कथक नृत्य में सहकलाकारों की भूमिका।
- (स) कथक नृत्य का काव्यपक्ष।
- 6. लय, ताल, एवं अभिनय का ज्ञान।
- 7. धमार (14—मात्रा) एवं रूपक (7—मात्रा) तालों के ठेके एवं उनकी ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
- 8. उपर्युक्त तालों में सीखे गये बोल लिपिबद्ध करने की क्षमता।

विद् डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट-अंतिम वर्ष

कथक नृत्य

प्रायोगिक

पूर्णांकः— 100

- 1. सरस्वती वंदना अथवा गणेश वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन।
- 2. ठाठ का विशिष्ट प्रदर्शन।
- 3. त्रिताल में पूर्व की कक्षाओं में सीखे गये बोलों के अतिरिक्त निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास :-एक आमद, तीन तोड़े, दो परन, दो चक्करदार तोड़े, दो चक्करदार परन, एक तिस्त्र, एवं एक मिश्र जातिका तोड़ा या परन, दो कवित्त एवं विविध प्रकार की तिहाईयां।
- 4. विभिन्न प्रकार के तत्कार एवं लयबाँट का प्रदर्शन।
- पाँच गत निकासों का प्रदर्शन : रुख़सार, बिंदिया, मुरली, मटकी व ठाठ ।
- 6. गतभाव का अभ्यास होली एवं गोवर्धन पूजा ।
- 7. धमार (14—मात्रा) अथवा रूपक (7—मात्रा) में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास थाट, एक आमद, दोतोड़े, दो परन, दो चक्करदार तोड़े या परन एवं कवित्त।
- एक भजन और ठुमरी में भाव प्रदर्शन।

सदर्भित पुस्तकें :-

- 1. भारतीय संस्कृति में कथक परम्परा (डॉ. मांडवी सिंह)
- 2. कथक नृत्य षिक्षा भाग दो (डॉ. पुरू दधीच)
- 3. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मी नारायण गर्ग)
- नटवरी नृत्य माला (गुरू विक्रम)
- कथक मध्यमा(डॉ. भगवानदास माणिक)

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश—: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि / तोडो का विवरण